जनसंदेश टाइम्स
27.09.2018

लोकर्पित होगा आईआईटी का उत्कृष्टता केंद्र

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू के दीर्घकालिक समाधान करने के लिए सिरेमिक इंजीनियरिंग विभाग आईआईटी (बीएचयू) और इंडियन रेफ्रेक्ट्री मेकर्स एसोसिएशन (आईआरएमए) विभाग पिछले दो वर्षों से साथ मिलकर आईआईटी बीएचयू - रिफ्रैक्टरीज के लिए आईआरएमए उत्कृष्टता केंद्र के लिए काम कर रहा है। अब यह केंद्र कार्यात्मक हो रहा है और समय आ गया है कि इस केंद्र में विकसित इस सुविधा को राष्ट्र को समर्पित किया जा सकता है।आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो.पीके जैन और अध्यक्ष आईआरएमए ने 28 सितंबर 2018 को दोपहर दो बजे औपचारिक समारोह में इसे देश को समर्पित करने के लिए सहमति व्यक्त कर दी है। सिरेमिक इंजीनियरिंग आईआईटी विभाग बीएचयू की ओर से इसके लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करेगा। राष्ट्रीय विकास और विकास विनिर्माण पेट्रोकेमिकल्स, लौह और इस्पात, ऑटोमोबाइल, एयरोस्पेस, परिवहन, बिजली, सीमेंट्स और उर्वरक क्षेत्रों आदि में वृद्धि पर निर्भर करता है। इनमें से कई क्षेत्र उच्च तापमान प्रक्रियाओं का उपयोग करते हैं और विभिन्न प्रकार के भट्टियों और रिएक्टरों की आवश्यकता होती है इन भट्टियों और रिएक्टरों के आर्थिक, कुशल, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल संचालन के लिए उच्च गुणवत्ता वाले अपवर्तक सामग्री और उत्पादों की आवश्यकता है। पर्याप्त मात्रा में अच्छी गुणवत्ता वाले अपवर्तकों की उपलब्धता के बिना उपरोक्त क्षेत्रों में वृद्धि, राष्ट्रीय विकास और समाज का विकास संभव नहीं है। यह औद्योगिक चुनौती में से एक है। उद्योग इसके लिए प्रयास कर रहे हैं।